HW

भारत की संस्कृति और परंपरा

यह संसार की प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक है। यह कर्म प्रधान संस्कृति है। प्राचीनता के साथ इसकी दूसरी विशेषता अमरता है। इसकी तीसरी विशेषता इसका जगद्गुरु होना है। सर्वांगीणता, विशालता, उदारता, प्रेम और सहिष्णुता की दृष्टि से अन्य संस्कृतियों की अपेक्षा अग्रणी स्थान रखती है। यहाँ के लोग मिल-बाँटकर खुशी से रहते हैं। सबके अंदर भाईचारा की भावना है। यहाँ हर धर्म-जाति के लोग एक प्रेमरुपी रस्सी से मिले हुए हैं। सबके अंदर एकता की भावना है।